

२०.१.२

८

आज पत्रकाली पेडा उद्दीक्कील वादी उद्दी
 वादी उद्दी। कइ वार उद्दील लमरइ गइ
 लो लो काइ उप. नदी उद्दी पत्रकाली
 आरम पेडी व आरम हाजरी मे खारप्य की
 जाकर पत्रकाली प्रेमल सुमार दीकर
 डाखिल उप. नर दी

कवचपुत्र ललितकारी
 वादी (धालपुर) राज.

